ASU NEWS-LETTER

Vol .2 No.5

September-October, 2017

ज्ञानं तेऽहं सविज्ञानमिदं वक्ष्याम्याशेषः।
यज्ज्ञात्वा नेह भूयोऽन्यज्ज्ञातव्यमवशिष्यते।। (7/2)

– श्रीमद्भगवद्गीता

ALLAHABAD STATE UNIVERSITY
CPI Campus
Mahatama Gandhi Road,
Civil Lines,
Allahabad-211001, U.P. India.
website: www.alldstateuniversity.org

ADMINISTRATION :

Prof. Rajendra Prasad
Vice-Chancellor
Mobile: +91-9415313714
Ph.(O) 0532-2256206
Ph.(R) 0532-2256218
email:
rprasad55@rediffmail.com
asuallahabad@gmail.com

Dharmendra Prakash Tripathi
Finance Officer
Mobile No: +91-8004915375
Ph (O): 0532-2256222
email: financeofficer.asu@gmail.com

(Dr.) Sahab Lal Maurya
Registrar
Mobile No.: +91-9415291923
Ph(O): 0532-2256207
email: registrarasua@gmail.com

Sheshnath Pandey
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9839984620

R.B. Yadav
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9450369881

Deepti Mishra
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9452092149

कुलपति की कलम से

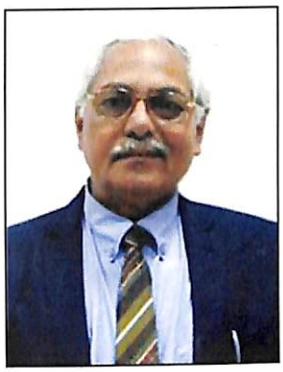

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद अपने बहुमुखी विकास के पथ पर अग्रसर है। इस न्यूजलेटर में सितम्बर और अक्टूबर माह की प्रमुख गतिविधियों और प्रगति का विवरण प्रस्तुत करते हुए मुझे अतीव प्रसन्नता हो रही है। तत्क्रम में पठन-पाठन के साथ-साथ शिक्षणेत्तर क्रियाकलापों के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना एवं क्रीड़ा परिषद् का गठन किया जा चुका है। इनसे सम्बंधित विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर और सम्बद्ध 582 महाविद्यालयों की शिक्षणेतर गतिविधियाँ प्रारम्भ हो चुकी हैं। इनसे विद्यार्थियों के चरित्र-निर्माण, समाज व राष्ट्र हित के कार्यों में सहभागिता और उदात्त जीवन-मूल्यों के सृजन एवं विस्तार का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

विभिन्न शैक्षिक और प्रशासनिक क्रियाकलापों के सम्पादन के साथ-साथ सांस्कृतिक व राष्ट्रीय महत्त्व के कार्यक्रमों के अन्तर्गत गाँधी जयन्ती, राष्ट्रीय एकता दिवस (31 अक्टूबर, 2017) के उपलक्ष्य में **''समकालीन परिदृश्य में राष्ट्रीय एकता के संवाहक के रूप में सरदार बल्लभभाई पटेल की प्रासंगिकता''** विषयक परिचर्चा और एक **''अखिल भारतीय कवि सम्मेलन''** का परिसर में आयोजन किया गया, जिसका शुभारम्भ पूर्व-उच्च शिक्षामंत्री प्रो0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। **''टाउन और गाउन''** के बीच पारदर्शी सम्बंध रखते हुए हमने माननीय हाईकोर्ट के प्रांगण में माननीय न्यायमूर्ति श्री अरुण टण्डन के साथ पुस्तक विमोचन, **'पारिस्थितिकी असन्तुलन'** विषय पर विज्ञान परिषद, इलाहाबाद में आयोजित संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में उत्तर प्रदेश सरकार की वरिष्ठ काबीना मंत्री प्रो0 श्रीमती रीता बहुगुणा जोशी के साथ अध्यक्षता का दायित्व, **''सद्भावना स्वच्छता''** विषयक परिचर्चा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में **'जम्मू व कश्मीर'** विषयक संगोष्ठी जैसे महत्त्वपूर्ण विमर्शों, परिचर्चाओं में सहभागिता करके उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बौद्धिक स्पंदन की आवश्यकता को रेखांकित किया है। सबका सार-संक्षेप न्यूजलेटर के इस अंक में समाहित है।

शुभकामनाओं सहित,

Rprasad

(प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद)
कुलपति

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय द्वारा सामूहिक नकल में आरोपित कालेजों के विरूद्ध कार्यवाही:

सामूहिक नकल के आरोपी कालेजों को कोर्ट से भी राहत नही मिली। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के निर्णय को सही ठहराते हुए आरोपी कॉलेजों को हर हाल में चार सितंबर तक एक-एक लाख रूपये जुर्माना जमा करने का आदेश दिया है।

सामूहिक नकल के आरोप में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने 28 केन्द्रों की परीक्षाएं निरस्त कर दी थी और पुनर्परीक्षा पर आने वाले खर्च की वसूली के लिए राज्य विश्वविद्यालय ने आरोपित कॉलेजों पर एक-एक लाख रूपये जुर्माना लगा दिया था। कई-कॉलेजों ने जुर्माना जमा कर दिया जबकि कुछ ने जुर्माना नहीं जमा किया। इनमें तीन महाविद्यालयों मां सरस्वती सीता डिग्री कॉलेज महरौड़ा सोरांव, द्वारिका प्रसाद महाविद्यालय, मदारी, सिसवन, इलाहाबाद और भगवानदीन यादव महाविद्यालय हरखपुर, इलाहबाद ने विश्वविद्यालय के निर्णय के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिकाएं दाखिल कर दी। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. साहब लाल मौर्य, के अनुसार उच्च न्यायालय ने आदेश पारित करते हुए विश्वविद्यालय की ओर से लिए गए निर्णयों को सही ठहराया है और आरोपित महाविद्यालयों को प्रत्येक दशा में चार सितंबर तक एक-एक लाख रूपये जुर्माना जमा करने का आदेश दिया है। रजिस्ट्रार डॉ0 साहब लाल मौर्य ने बताया कि सामूहिक नकल में जिन केन्द्रों की परीक्षाएं निरस्त की गई थीं, उनमें से ज्यादातर केन्द्रों की पुर्नपरीक्षाएं, करायी गयीं। सामूहिक नकल के आरोपी द्वारिका प्रसाद महाविद्यालय मदारी सिसवान, इलाहाबाद और माँ सरस्वती सीता डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद की निरस्त परीक्षाएं गंगा डिग्री कॉलेज, सोरांव, इलाहाबाद परीक्षा केन्द्र पर कराई गयी।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में पठन-पाठन प्रारम्भ

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद में एम.ए. हिन्दी, राजनीति विज्ञान, प्राचीन इतिहास, अर्थशास्त्र, एम.कॉम तथा एम. एस.डब्लू. की कक्षाएँ सात सितंबर से प्रारंभ हो गयी। रजिस्ट्रार डॉ. साहब लाल मौर्य ने बताया कि समय सारिणी विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दी गई है। 75 प्रतिशत उपस्थिति को अनिवार्य किया गया है। इससे कम उपस्थिति पर विद्यार्थियों को परीक्षा में शामिल होने से रोका जा सकता है।

राज्य विश्वविद्यालय में अगले सत्र से 200 दिन कक्षाएं संचालित करने हेतु उ0प्र0सरकार का आदेश:

वर्ष 2018-19 के लिए राज्य विश्वविद्यालय का शैक्षिक सत्र न्यूनतम 200 दिनों का होगा। सत्र 2018-19 को न्यूनतम 200 दिनों का निर्धारित करने के लिए विश्वविद्यालय सत्र 2017-18 को अपने स्तर से न्यूनतम 180 दिनों का निर्धारित कर सकते हैं। किसी विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2017-18 को 180 दिन का निर्धारित किये जाने की आवश्यकता पाये जाने की दशा में विश्वविद्यालय को राज्य सरकार को 15 दिन के अन्दर इसकी सूचना देते हुए अनुमाति प्राप्त करनी होगी।

उप मुख्यमंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा ने सत्र 2018-19 का शैक्षिक कैलेण्डर जारी करते हुये बताया कि उक्त सत्र में 10 जुलाई तक स्नातक कक्षाओं में पूर्व में प्रवेश ले चुके छात्रों की पढ़ाई शुरू हो जायेगी। स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए बी0एड0 की समय सारणी को अंगीकृत किया जायेगा और प्रवेश प्रक्रिया 30 जून तक पूरी कर ली जायेगी। प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद नौ जुलाई 2018 को शिक्षण कार्य प्रारंभ का दिया जायेगा। वहीं परास्नातक प्रथम वर्ष में दाखिले की प्रक्रिया 31 जुलाई 2018 तक पूरी कर अगस्त के पहले सोमवार से शिक्षण कार्य प्रारम्भ कर दिया जायेगा।

प्रयोगात्मक परीक्षाएं 15 जनवरी, 2019 से 28 फरवरी, 2019 तक आयोजित होंगी। वहीं मुख्य परीक्षायें एक मार्च, 2019 से शुरू होंगी जिन्हें 60 दिनों में सम्पन्न कराने का निर्णय लिया गया है। 25 जून, 2019 तक सभी परीक्षा परिणाम घोषित कर दिये जायेंगे।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालयों के कालेजों में लागू हुई सेमेस्टर प्रणाली

बिना मानक के कागज पर चल रहे महाविद्यालयों पर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने शिकंजा कस दिया है। नकल पर नकेल

कसने और पठन-पाठन का माहौल बनाने के लिये सेमेस्टर प्रणाली लागू कर दी गयी है। जिन महाविद्यालयों में शिक्षक नहीं हैं और कागजों पर कक्षाएँ चल रही हैं उनका औचक निरीक्षण शुरू किया गया है। इसके लिए टीमों का गठन कर दिया गया है। इसका मकसद महाविद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता, व्यवस्थाएं, सुविधाएं, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, प्राचार्यों व शिक्षकों की उपलब्धता आदि देखना है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से प्रदेश के कौशाम्बी, फतेहपुर, प्रतापगढ़ व इलाहाबाद जनपद के 582 महाविद्यालय सम्बद्ध हैं। इसमें स्नातक, परास्नातक, विधि, बीएड0, एम0एड0, बी0पी0एड0 की कक्षाएँ चलती हैं। इनमें से कई ऐसे महाविद्यालय हैं, जिनके पास मानक के अनुसार न भवन हैं न खेल के मैदान, लैब कक्षा व आवश्यक सुविधाएँ नहीं हैं।

कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने इन परिस्थितियों से निपटने के लिये जाँच अभियान शुरू किया है। साथ ही परास्नातक में सेमेस्टर प्रणाली लागू कर दिया गया है। इससे मॉनीटिरिंग तेज हो गई है। अब हर महाविद्यालय को शिक्षकों का चयन करना और जरूरी सुविधाएँ देना अनिवार्य हो गया है। सभी प्रबंधकों, प्राचार्यों को जरूरी दस्तावेजों के साथ महाविद्यालय में मौजूद रहने को कहा गया है। सभी को आइकार्ड रखना अनिवार्य कर दिया गया है। कुलपति ने बताया कि जिन महाविद्यालयों में जरूरी सुविधाएँ नहीं होंगी व शिक्षक नियुक्त नहीं होंगे उन पर कार्यवाही होगी। उनकी मान्यता निरस्त करने हेतु विधि सम्मत कार्यवाही की जाएगी। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में चार जिलों इलाहाबाद, कौशाम्बी, प्रतपागढ, फतेहपुर के डिग्री कॉलेजों के प्रबंधकों की बैठक हुई। कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, रजिस्ट्रार डॉ0 साहब लाल मौर्य ने इनकी मागों पर चर्चा की। छात्रों के व्यापक हित का हवाला देते हुए वर्तमान शैक्षिक सत्र से पीजी में सेमेस्टर प्रणाली को लागू कर दिया गया हैं। नवीन पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिये गये हैं।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने 'शिक्षक कल्याण कोष' का गठन किया

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने शिक्षकों के हक में एक अच्छी पहल की है। विश्वविद्यालय से सम्बद्ध 582 महाविद्यालयों के शिक्षकों को गंभीर दुर्घटना व गम्भीर बीमारी की दशा में आर्थिक मदद देने का फैसला लिया गया है। इसके तहत विश्वविद्यालय ने 'शिक्षक कल्याण कोष' का गठन कर दिया है। इस मद में शिक्षकों को दिये जाने वाले परीक्षा पारिश्रमिक (वेतन को छोड़कर) में से पांच प्रतिशत की कटौती शुरू कर दी गयी है।

प्रदेश के अधिकांश विश्वविद्यालयों में 'शिक्षक कल्याण कोष' का गठन किया गया है। इस कोष मे से किसी शिक्षक के गंभीर रूप से बीमार होने या दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने पर उसे आर्थिक सहायता देने का प्रावधान है। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में अभी इसकी सुविधा नहीं थी। शिक्षक इस आशय की मांग भी करते रहे हैं। इसको देखते हुये राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में हुई बैठक में 'शिक्षक कल्याण कोष' का गठन किया गया। अभी तक की गयी कटौती की धनराशि को 'शिक्षक कल्याण कोष' में ट्रांसफर भी कर दिया गया है। अब आगे शिक्षकों को दिये जाने वाले पारिश्रमिक में से की गयी पांच प्रतिशत की कटौती का पैसा 'शिक्षक कल्याण कोष' में जमा होता रहेगा। कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि अन्य विश्वविद्यालयों में शिक्षक कल्याण कोष से पैसा केवल शासकीय व अशासकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों को ही दिया जाता रहा है। हम राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध शासकीय व अशासकीय अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षकों को तो यह सुविधा देंगे ही साथ ही साथ स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को भी गंभीर बीमारी व दुर्घटना की स्थिति में आर्थिक सहायता देंगे। इस कार्य हेतु पाँच सदस्यीय पैनल गठित कर नियमावली तैयार करने का निश्चय किया गया है। कार्य परिषद् के अनुमोदनोपरान्त अग्रतर निर्णय लिया जायेगा।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में बैक पेपर की आवेदन तिथि बढ़ी

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में बैक पेपर परीक्षा के लिये आवेदन की तिथि बढ़ा दी गयी है। इससे पहले यह तिथि 20 सितम्बर निर्धारित की गयी थी, जो अब बढ़ाकर 17 अक्टूबर निर्धारित की गयी है। रजिस्ट्रार डॉ0 साहब लाल मौर्य के अनुसार जिन अभ्यथियों ने परीक्षा में अनुचित साधन का प्रयोग किया था या परीक्षा परिणाम अपूर्ण थे, उनमें विलम्ब के कारण कई अभ्यर्थी आवेदन करने से वंचित रह गये, फलतः छात्र हित में आवेदन की तिथि बढ़ाई गयी है। विद्यार्थी इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.alldstateuniversity.org** पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में 'गांधी जयन्ती'

(02 अक्टूबर, 2017) का पर्व

02 अक्टूबर को इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के प्रांगण में गांधी जयन्ती मनायी गयी इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आये इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व-कुलपति प्रो0 आर0पी0मिश्रा एवं इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने महात्मा गांधी एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किया। प्रो0 आर0पी0मिश्रा ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि गांधी जी तो विश्वव्यापी हैं। हर व्यक्ति के भीतर एक लघु गांधी बैठा है, उसे जागृत करना है। आजादी के बाद गाँधी जी के विचारों का महत्त्व और बढ़ गया है। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने अपने वक्तव्य में कहा कि 02 अक्टूबर को हम गांधी जयन्ती मनाते हैं। हमें गांधी जी के जीवन से सीख लेनी चाहिए तथा उनके सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह, सादगी, उदारता, राष्ट्र प्रेम, स्वच्छता के प्रति लगाव आदि गुणों को अपने जीवन में उतारना चाहिये। कार्यक्रम की शुरूआत में महिला सेवा सदन डिग्री कालेज, बैहराना, इलाहाबाद तथा के0पी0उच्च शिक्षा संस्थान, झलवा, इलाहाबाद की छात्राओं तथा शिक्षिकाओं द्वारा गांधी जी के प्रिय भजनों का गान किया गया। कार्यक्रम के अन्त में कुलसचिव डॉ0 साहब लाल मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो0 आर0पी0मिश्रा, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, डॉ0 साहब लाल मौर्य कुलसचिव, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के साथ श्री डी0पी0त्रिपाठी, वित्त अधिकारी, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय,श्रीमती दीप्ति मिश्रा, उपकुलसचिव, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, शिक्षकगण, महाविद्यालयों की छात्र-छात्राएं, कर्मचारीगण एवं अन्य अतिथिगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन उपकुलसचिव श्रीमती दीप्ति मिश्रा द्वारा किया गया।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय को मिला स्थायी 'मोनोग्राम'

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय को अब अपना स्थायी 'मोनोग्राम' मिल गया है। यह मोनोग्राम विश्वविद्यालय की स्थापना के उद्देश्य को बखूबी परिभाषित करता है। इसमें गंगा, यमुना और सरस्वती की धाराओं के संग ज्ञान के विस्तार को 24 अरें (स्पोकस) है, तो साथ में ग्लोब भी है। यह इस बात का द्योतक है कि विश्वविद्यालय मानव जीवन के सार्थक अर्थों तथा ज्ञानालोक का सम्पूर्ण धरती पर विस्तार करने के लिये संकल्पित है।

मोनोग्राम को कला का नीला रंग, विज्ञान का नारंगी, शिक्षा का श्वेत, वाणिज्य का ग्रे, विधि का काला, कृषि का हरा, चिकित्सा का लाल और इंजीनियरिंग का आसमानी रंग अधिक आकर्षक बनाते हैं। रंगों के माध्यम से विद्या की समस्त शाखाओं को सार्थक करने की कोशिश की गयी है। इस मोनोग्राम को ख्यातिलब्ध विशेषज्ञों के निर्देशन में इलाहबाद विश्वविद्यालय में दृश्य कला विभाग के वरिष्ठ अध्यापक डॉ0 अभिनव गुप्त ने तैयार किया है। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने इस काम के लिये डॉ0 गुप्ता को सम्मानित किया।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में क्रीड़ा परिषद का गठन

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने क्रीड़ा परिषद का गठन कर दिया है। कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। यह परिषद वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन का मार्ग प्रशस्त करेगी। अब महाविद्यालय की टीमें अंतर-विश्वविद्यालयी प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेंगी। विश्वविद्यालय ने ट्रायल की तिथियाँ भी घोषित कर दी है। विद्यार्थी विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर अधिक जानकारी ले सकते हैं। क्रीड़ा परिषद में रजिस्ट्रार डॉ0 साहब लाल मौर्य, वित्त अधिकारी डी0पी0त्रिपाठी, डॉ0 विनीता यादव, ज्योति शंकर, डॉ0 ओंकार द्विवेदी, डॉ0 रूबी चौधरी, प्रो0 माहेश्वर मिश्रा, डॉ0 पवन पचौरी, डॉ0 एस0एन0उपाध्याय को शामिल किया गया है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में खेल ट्रायल की तिथियाँ घोषित

पैराग्लाइडिंग खेल विशेषज्ञ के रूप में नई दिल्ली से पधारे ग्रुप कैप्टन आर0के0सिंह ने पावर प्वांइट प्रस्तुति द्वारा इस खेल की विशिष्टताओं पर व्यापक प्रकाश डाला।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने क्रीड़ा परिषद् का गठन कर सदस्यों को नामित किया गया। विश्वविद्यालय में 13 अक्टूबर 2017 से 07 जनवरी, 2018 तक विभिन्न खेलों के लिए ट्रायल होंगे। चयन को लेकर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की ओर से सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गयी हैं। कुलसचिव डॉ0 साहब लाल मौर्य ने बताया कि तीरंदाजी (महिला/पुरूष), एथलेटिक्स (महिला/पुरूष), बॉक्सिंग, जिम्नास्टिक (महिला/पुरूष), इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय/म्योहॉल, जूडो (महिला/पुरूष), इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय स्टेडियम, पावर लिफ्टिंग, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय स्टेडियम, रोईंग (महिला/पुरूष), सॉफ्ट टेनिस (महिला/पुरूष), स्क्वाश (महिला/पुरूष), ताइक्वांडो (महिला/पुरूष), रेसलिंग (महिला/पुरूष), बैडमिंटन(महिला/पुरूष), बॉस्केट बाल (महिला/पुरूष), क्रिकेट (महिला/पुरूष), फुटबाल (महिला/पुरूष), हैंडबाल, टेबल टेनिस (महिला/पुरूष), टेनिस (महिला/पुरूष), बॉलीबाल (पुरूष), तैराकी (महिला/पुरूष) का ट्रायल इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय स्टेडियम में होगा। क्रॉस कंट्री (महिला/पुरूष) का ट्रायल राजकीय महाविद्यालय सैदाबाद /परेड ग्रांउड इलाहाबाद में होगा। हॉकी(महिला/पुरूष) का ट्रायल प्रतापबहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रतापगढ़ सिटी में होगा। कबड्डी (महिला/पुरूष) का ट्रायल राजकीय महाविद्यालय सांगीपुर, प्रतापगढ़ में होगा। खो-खो(महिला/पुरूष) का ट्रायल, महात्मा गाँधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कालाकाँकर प्रतापगढ़ में होगा।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की तैराकी टीम पंजाब रवाना

पंजाब विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित अखिल भारतीय अन्तर-विश्वविद्यालयी तैराकी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की टीम चंडीगढ़ के लिये रवाना हुई। टीम के साथ टीम के मैनेजर डॉ0एच0एम0 पाल, सदस्य हरगोविंद निषाद, सरस्वती विद्या मंदिर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान लालगंज, प्रतापगढ़।

श्रीबाबू सिंह डिग्री कॉलेज सयारा कौशाम्बी से अखिलेश सिंह, एम0पी0 गर्ग डिग्री कॉलेज झलवा इलाहाबाद से ऋषभ कनौजिया, जगन्नाथ प्रसाद डिग्री कालेज, गौहनिया से आकाश श्रीवास्तव, बाबू सिंह कॉलेज ऑफ ला सयारा कौशाम्बी से आकाश निषाद, बेनी माधव सिंह डिग्री कॉलेज बिगहियां से शुभम निषाद, जगपत सिंह सिंगरौर डिग्री कॉलेज से अंजली पाल, कुलभाष्कर आश्रम पीजी कॉलेज से साक्षी सिंह अन्तर- विश्वविद्यालयी तैराकी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिये चंडीगढ़ रवाना हुई। यह जानकारी इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ साहब लाल मौर्य ने दी।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में 'रूबरू : फ्रेशर 2017' (06 अक्टूबर,2017) कार्यक्रम में सहभागिता

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के सत्र 2017-18 में राज्य विश्वविद्यालय के एम.कॉम. के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा प्रथम-वर्ष के विद्यार्थियों के नव-आगमन के उपलक्ष्य में 'रूबरू: फ्रेशर 2017' कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के नव-निर्मित हॉल में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0

राजेन्द्र प्रसाद द्वारा की गयी। कार्यक्रम का प्रारम्भ माँ सरस्वती के माल्यार्पण एवं वन्दना द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ0 साहब लाल मौर्य, वित्त अधिकारी श्री डी0पी0त्रिपाठी, उपकुलसचिव श्री आर0बी0यादव, उपकुलसचिव श्रीमती दीप्ति मिश्रा आदि प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित थे। इस अवसर पर एम0कॉम0 द्वितीय वर्ष के विद्यार्थीगण एम0कॉम0 प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों से रूबरू हुए और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से परिसर में स्वस्थ बौद्धिक स्पंदन उत्पन्न कर दिया।

महाविद्यालयों में आकस्मिक निरीक्षण प्रारम्भ

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता, अवस्थापना सुविधाओं के मानकों की पूर्णता, प्रयोगशाला के मानक, पुस्तकालयों के मानकों की पूर्णता, शिक्षकों की उपलब्धता एवं कक्षा संचालन की जाँच के लिए महाविद्यालयों में आकस्मिक निरीक्षण प्रारम्भ कर दिया गया है। इसके लिये विश्वविद्यालय की ओर से निरीक्षण मंडल का गठन कर दिया गया है। रजिस्ट्रार डॉ0 साहब लाल मौर्य ने महाविद्यालयों के प्रबंधकों एवं प्राचार्यों से कहा है कि प्राचार्य स्वयं एवं महाविद्यालय के अनुमोदित समस्त शिक्षकों, प्रयोगशाला सहायकों और पुस्तकालयाध्यक्षों के साथ महाविद्यालयों में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा है कि प्राचार्य समेत सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों के पास आधार कार्ड होना अनिवार्य है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने बी0एड0 का परिणाम घोषित किया

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने बी0एड0 पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष का परीक्षाफल घोषित कर दिया है। विद्यार्थी परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.alldstateuniversity.org पर देख सकते हैं।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय देगा छात्रों को विधि की उपाधि

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय अब स्वयं बी0ए0 एल0एल0बी0 व एल0एल0बी0 की उपाधि देगा। बार काउंसिल ऑफ इण्डिया ने बी0ए0 एल0एल0बी0 व एल0एल0बी0 कोर्सों को संचालित करने की हरी झंडी दे दी है। अभी तक विधि के कोर्स सी0एस0जे0एम0 कानपुर विश्वविद्यालय के आर्डिनेंस से संचालित हो रहे थे।

भारत के संविधान के अधीन उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यपाल राम नाईक ने उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक 2013 में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय स्थापित करने की मंजूरी दी थी। प्रदेश सरकार ने 17 जून 2016 को इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना की। इस विश्वविद्यालय के प्रथम सत्र का प्रारम्भ 2016-17 में इलाहाबाद, कौशाम्बी, फतेहपुर और प्रतापगढ़ के संबद्ध लगभग 582 महाविद्यालयों में हुआ। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय बनने से पहले ये महाविद्यालय छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर और राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद से संबद्ध थे। अब विश्वविद्यालय ने अपना आर्डिनेंस तैयार कर लिया है, और खुद के आर्डिनेंस के तहत संचालित हो रहा है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से संबद्ध चार जिलों में लगभग 8 हजार विद्यार्थी बी0ए0एल0एल0बी0 व एल0एल0बी0 कोर्स में अध्ययनरत हैं। दो साल से कानपुर विश्वविद्यालय विधि की डिग्री प्रदान कर रहा है। अब अगले साल से इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय स्वयं विधि की उपाधि प्रदान करेगा। बार काउंसिल ऑफ इण्डिया की पांच सदस्यीय टीम ने अभी हाल ही में दौरा कर पाँच वर्षीय व त्रिवर्षीय विधि कोर्स को संचालित करने की मंजूरी प्रदान कर दी है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने महाविद्यालयों से माँगा अपूर्ण परीक्षाफल का ब्यौरा

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने संबद्ध महाविद्यालयों से अपूर्ण परीक्षाफल वाले विद्यार्थियों का ब्यौरा माँगा है। विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में सैकड़ों छात्रों की मार्कशीट में अपूर्ण परीक्षा का संदेश लिखा था। अब विश्वविद्यालय महाविद्यालयों से यह जानना चाहता है कि कहीं गलती से तो छात्र अनुपस्थित नहीं हो गया है। कुलसचिव डॉ0 साहब लाल मौर्य ने सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यों को पत्र लिखकर वेरीफिकेशन शीट व उपस्थिति पत्रक माँगा है। कहा गया है कि यदि एक सप्ताह के भीतर महाविद्यालय डेटा नहीं उपलब्ध कराते हैं, तो छात्रों को होने वाले नुकसान की संपूर्ण जिम्मेदारी महाविद्यालयों की होगी।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने शिक्षक भर्ती के लिए फिर से मांगे आवेदन

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने शिक्षकों के पदों पर फिर से आवेदन माँगा है। विश्वविद्यालय ने इससे पूर्व 22 अक्टूबर 2016 में विभिन्न पदों पर आवेदन माँगे थे। एक वर्ष पूरा होने के बाद भी भर्ती प्रक्रिया शुरू न हो पाने व नियमों में बदलाव के चलते विश्वविद्यालय ने दोबारा आवेदन माँगा हैं। जिन अभ्यर्थियों ने पूर्व में आवेदन किया है उन्हें भी फीस डिटेल के साथ दोबारा आवेदन करना होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 30 नवम्बर 2017 रखी गयी है। आवेदन शुल्क, नियम व शर्तों आदि की जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.alldstateuniveristy.org से 30 अक्टूबर से ली जा सकती है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अधिनियम 2009 व संशोधित अधिनियम 2016 के आधार पर विश्वविद्यालय में विभिन्न विषयों में असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर व प्रोफेसर के कुल 92 पदों पर 22 अक्टूबर 2016 में आवदेन माँगा था। इसमें लगभग पांच हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि विश्वविद्यालय ने उस समय जो आवेदन का क्राइटेरिया बनाया था वह कानपुर विश्वविद्यालय के परिनियम में शामिल नहीं था। उन नियमों को कानपुर विश्वविद्यालय के परिनियम में शासन की मंजूरी के बाद अप्रैल 2017 में शामिल किया गया। इसके बाद कानपुर विश्वविद्यालय के योग्यता के परिनियम में बदलाव आ गया। इसके अलावा अधिक से अधिक अभ्यर्थियों को समान अवसर देने के उद्देश्य से भी दोबारा आवेदन माँगा गया है। रजिस्ट्रार डॉ0 साहब लाल मौर्य ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों ने पूर्व विज्ञापन के सापेक्ष आवेदन किया है उन्हें दोबारा आवेदन करने पर फीस नहीं लगेगी। आवेदन पत्र भेजने की अंतिम तिथि 30 नवम्बर 2017 रखी गई है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में कवि सम्मेलन
(30 अक्टूबर, 2017) का आयोजन

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय एकता दिवस की पूर्व संध्या पर 30 अक्टूबर को शाम 6:30 बजे अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कवि सम्मेलन का शुभारम्भ उत्तर प्रदेश के पूर्व उच्च शिक्षामंत्री प्रो0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर और इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया। इस दौरान देश के अलग-अलग स्थानों से आये कवियों ने देशप्रेम, राष्ट्रीय एकता और हास्य-व्यंग्य से जुड़ी रचनाएँ सुनाई। सीवान, बिहार से आये हास्य-व्यंग्य के कवि सुनील कुमार तंग ने रचना सुनाई, 'एक मंजिल के मुसाफिर हैं, यकीनी हम तुम, बस वहीं जाकर ठहर जायेंगे जाते-जाते, यह अलग बात है कि हम भूख से मर जायेंगे, तुम भी मर जाओगे इस मुल्क को खाते-खाते।' दिल्ली से आई कवयित्री श्वेता सरगम ने रचना सुनाकर श्रोताओं का दिल जीत लिया। इसके अलावा गुजरात से आई कवयित्री रानी कुकसाल, चित्तौड़गढ़, राजस्थान से आए शंकर सुखवन्त, गोरखपुर से आए शायर कलीम कैसर ने कवि सम्मेलन को ऊँचाई प्रदान करते हुए कहा, ''इश्क वो जबान है प्यारे जिसे गूंगा भी बोल सकता है।' आभा श्रीवास्तव ने गजल सुनाई इसके अलावा उत्तराखण्ड से आई गौरी मिश्रा, मंच का संचालन कर रहे गीतकार शैलेन्द्र मधुर समेत नूरी परवीन, डॉ0अशोक हंगामा, प्रीता बाजपेयी, श्री असलम आदिल इलाहाबादी ने भी काव्यपाठ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने की। इस मौके पर न्यायमूर्ति नीरज तिवारी, महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय के पूर्व-कुलपति प्रो0ओम प्रकाश, पूर्व शिक्षामंत्री डॉ0 नरेन्द्र कुमार सिंह गौर, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ0 साहब लाल मौर्य, वित्त अधिकारी धर्मेन्द्र प्रकाश त्रिपाठी, उपकुलसचिव दीप्ति मिश्रा, उपकुलसचिव आर0बी0यादव सहित बड़ी संख्या में श्रोतागण मौजूद थे।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का परीक्षा प्रारूप जारी

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित परीक्षा का प्रारूप जारी कर दिया है। सत्र 2017-18 में बी0ए0 प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में 13-13 पेपर, बी0एस0सी0 प्रथम वर्ष में आठ एवं द्वितीय वर्ष में पाँच-पाँच पेपर बहुविकल्पीय प्रश्नों वाले होंगे। यह दिशा-निर्देश डॉ0 साहब लाल मौर्य की ओर से जारी किया गया हैं। बी0ए0, बी0एस0सी0 और बी0कॉम0 के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में अलग-अलग विषयों में एक या दो पेपर बहुविकल्पीय प्रश्नों वाले होते हैं। इस बार किस विषय के कितने पेपर बहुविकल्पीय प्रश्नों वाले होंगे, इस पर विचार किया गया है। बी0ए0 प्रथम वर्ष में अर्थशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, अंग्रेजी साहित्य, भूगोल, इतिहास, राजनीति विज्ञान, संस्कृत, समाजशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास का पहला और हिन्दी साहित्य, गृह विज्ञान, उर्दू एवं रक्षा अध्ययन का दूसरा पेपर बहुविकल्पीय प्रश्नों वाला होगा। बीए द्वितीय वर्ष गृह विज्ञान, उर्दू, प्राचीन इतिहास का पहला पेपर और अर्थशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, अंग्रेजी साहित्य, भूगोल, हिन्दी साहित्य, इतिहास, राजनीति विज्ञान, संस्कृत, समाजशास्त्र, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विषय का दूसरा पेपर बहुविकल्पीय प्रश्नों वाला होगा। बी0एस0सी0 प्रथम वर्ष वनस्पति विज्ञान का तीसरा, रसायन विज्ञान का दूसरा एवं तीसरा, गणित का पहला एवं तीसरा, भौतिक विज्ञान का पहला एवं दूसरा, जंतु विज्ञान का तीसरा और बी0एस0सी0 द्वितीय वर्ष भौतिक विज्ञान, जन्तु विज्ञान का पहला एवं वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित का दूसरा पेपर बहुविकल्पीय प्रश्नों वाला होगा। बी0कॉम0 प्रथम वर्ष बिजनेस रेगुलरटी का चौथा, बिजनेस इन्वॉयरमेंट का छठवाँ और बी0कॉम0 द्वितीय वर्ष इनकम टैक्स का चौथा, इण्डस्ट्रियल लॉ का सातवाँ पेपर बहुविकल्पीय प्रश्नों का होगा।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में (31 अक्टूबर, 2017)
लौह पुरुष सरदार बल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर राष्ट्रीय परिचर्चा का आयोजन

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय परिसर में **''समकालीन परिवेश में राष्ट्रीय एकता के संवाहक के रूप में सरदार बल्लभभाई पटेल की प्रासंगिकता''** विषयक परिचर्चा का आयोजन 31 अक्टूबर 2017 को सुबह 10:30 बजे से किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एम0पी0दूबे, मुख्य वक्ता के रूप में महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय के पूर्व-कुलपति प्रो0 ओम प्रकाश उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने की। अपने व्याख्यान भाषण में प्रो0 प्रसाद ने ''सरदार बल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व और कृतित्व को जीवन में आत्मसात करने की आवश्यकता पर बल दिया''। मुख्य वक्ता रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 ओम प्रकाश ने कहा कि ''सामाजिक मूल्यो का तेजी से क्षरण हो रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण लोगों का अति व्यक्तिवादी होना है।''

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0एम0पी0दुबे ने कहा कि राष्ट्रीय एकता व अखण्डता के लिए सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक मूल्यों की स्थापना जरूरी हो गई है। अपराह्न सत्र में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के प्रो0आर0बी0एस0 वर्मा, उपकुलसचिव दीप्ति मिश्रा, प्रो0 संजीव भदौरिया, आर्यकन्या डिग्री कालेज की डॉ0 आभा तिवारी, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के प्रो0एम0एन0 सिंह व प्रो0 जे0एन0मिश्रा ने भी संबोधित किया।

परिचर्चा के दौरान प्रमुख व्याख्यान (प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद, प्रो0एम0पी0दुबे, प्रो0 ओम प्रकाश, प्रो0 संजीव भदौरिया, प्रतिभागी गण)

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा प्रेषित पत्र के संदर्भानुसार सभी ने 'राष्ट्रीय एकता दिवस' पर 'संकल्प' (Pledge) लिया :

''मैं सत्यनिष्ठा से शपथ लेता हूँ कि मैं राष्ट्र की एकता, अखण्डता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करूंगा और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करूंगा। मैं यह शपथ अपने देश की एकता की भावना से ले रहा हूँ जिसे सरदार बल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यो द्वारा संभव बनाया जा सका। मैं अपने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान करने का भी सत्यनिष्ठा से संकल्प करता हूँ।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध 'महाविद्यालयों में कार्यक्रम ''पारिस्थितिकी असंतुलन: वनस्पति, जीव-जन्तु एवं मानव विकास'' विषय पर (04 अक्टूबर, 2017) संगोष्ठी में सहभागिता

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय, सैदाबाद, इलाहबाद द्वारा विज्ञान परिषद भवन में ''पारिस्थितिकी असंतुलन'' विषयक द्वि-दिवसीय संगोष्ठी में उत्तर प्रदेश सरकार की वरिष्ठ मंत्री प्रो0 श्रीमती रीता बहुगुणा जोशी मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने की। ''पर्यावरण असंतुलन मानव जीवन के लिये गम्भीर खतरा है। पर्यावरण संतुलन के बिना मानव जीवन संभव नहीं है। यह समसामयिक अन्तर्राष्ट्रीय समस्या है।

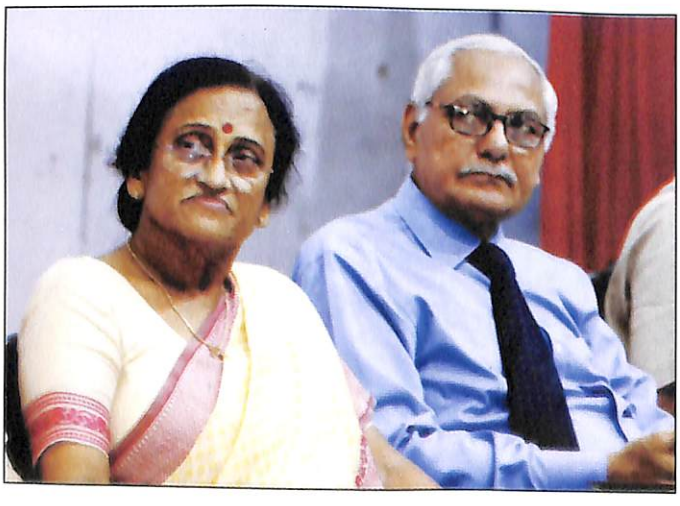

विकासशील देशों से कहीं अधिक विकसित देश असंतुलन के लिये जिम्मेदार हैं। यदि समय रहते समूचे विश्व ने इस ओर ध्यान नहीं दिया तो यह सम्पूर्ण सृष्टि के लिये विनाशकारी होगा''। यह विचार पर्यटन, मातृ शिशु एवं महिला कल्याण मंत्री डॉ0 रीता बहुगुणा जोशी नें प्रकट किया। डॉ0 जोशी राजकीय पीजी कॉलेज सैदाबाद के जंतुविज्ञान विभाग द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रही थीं। डॉ0 रीता जोशी ने कहा कि उपभोक्तावादी संस्कृति के कारण आज ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रही है। ओजोन लेयर में छेद होने का खतरा है। बीमारियाँ बढ़ रही हैं। हमें सचेत रहने की आवश्यकता है। अध्यक्षीय संबोधन में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि ''पारिस्थतिकी असंतुलन, आतंकवाद से बड़ा खतरा हैं। इसने सम्पूर्ण विश्व को अपनी चपेट में ले लिया है। यदि समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो संपूर्ण सृष्टि के लिये यह घातक होगा।'' इस सेमिनार के आयोजक सचिव डॉ0 अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि इस आयोजन के फलस्वरूप प्राप्त निष्कर्ष को समाज में जनता के बीच लाया जायेगा। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 आशीष जोशी ने सम्मेलन में आये हुए अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। मंच पर प्रो0 यू0सी0श्रीवास्तव, प्रो0 जावेद अहमद, प्रो0 शिवेन्द्र प्रताप सिंह, प्रो0 जितेन्द्र कुमार नागर व डॉ0 एस0पी0 खरे उपस्थित थे।

'कृषक सम्मेलन एवं प्रगतिशील कृषकों को 'मार्बल्स कृषक सम्मान'

इस विषय पर संगोष्ठी (7 अक्टूबर, 2017) में सहभागिता

इलाहाबाद में बायोवेद रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर ऐण्ड टेक्नोलॉजी एवं मार्बलस रिकार्ड्स बुक ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान के तहत कृषक संगोष्ठी एवं प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित करने के लिए मार्बलस कृषक सम्मान समारोह का अयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ0 एन0के0एस0गौर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि किसान को 'नीचे से ऊपर' से शुरू किया जाना चाहिये, लेकिन वर्तमान प्रणाली 'ऊपर से नीचे' मौजूद है। इन कारणों से खेती गैर लाभदायक व्यवसाय बन गयी है और ग्रामीण शिक्षित युवा, ग्रामीण से शहरी इलाकों में पलायन कर रहे हैं। कार्यक्रम में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 आर0पी0मिश्र, डॉ0 बी0के0द्विवेदी, निदेशक बायोवेद रिसर्च इंस्टीट्यूट, इलाहाबाद, डॉ0 सी0एस0प्राण आदि उपस्थित थे। श्री0के0पी0मिश्रा ने कृषि के क्षेत्र में परिस्थितियों के अनुकूल संसाधनयुक्त प्रौद्योगिकी के प्रदर्शन से किसानों में आत्मविश्वास पैदा करने के साथ ही साथ कृषि में जोखिम को कम करने की भी जरूरत पर बल दिया।

तकनीकी एवं समापन सत्र के मुख्य अतिथि, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने अपने व्याख्यान में इस बात पर प्रकाश डाला कि वर्तमान कृषि शिक्षा को संशोधित करने की जरूरत है और अनुसंधान व्यावहारिक तरीके से किसानों के क्षेत्र की स्थितियों में शुरू किया जाना चाहिये। इससे कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार बढ़ाने के लिये नया क्षितिज खुल जायेगा और स्वयं निरन्तर प्रणाली स्वत: विकसित हो जायेगी। कार्यक्रम में श्री विजय भरत, झारखंड, श्री धर्मवीर, हरियाणा, श्री आकाश चौरसिया, एम0पी0, श्री संजय कुमार, जौनपुर, श्री इंद्रेश पांडे, मेजा, श्री कपिल उपाध्याय, कौशाम्बी, श्री बी0डी0 सिंह, फूलपुर आदि लोगो को **'मार्बलस कृषक सम्मान'** से सम्मानित किया। कार्यक्रम में डॉ0 साधना सिंह, दीपांशु द्विवेदी, रजनीश उपाध्याय, अंजली मिश्रा, रीना वर्मा, सीमा, हिमांशु द्विवेदी, आर0पी0 सिंह, सौम्या द्विवेदी, वी0के0सिंह, इंद्रकांत पाण्डेय, अरविंद, सरोज और भारी संख्या में किसानों ने भाग लिया। डॉ0 एस0डी0 मिश्रा ने प्रतिभागियों, गणमान्य व्यक्तियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कार्यक्रम का समापन किया।

श्याम कुमारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव समारोह (16 अक्टूबर, 2017) में सहभागिता

श्यामकुमारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, आसेपुर, इलाहाबाद का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती की वन्दना व दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि ग्रामीण अंचल में जिस प्रकार से यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा देने के मार्ग पर बढ़ रहा है, जो काबिले तारीफ है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथिद्वय इंदु प्रकाश मिश्र, पूर्व राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश, उमाशंकर तिवारी, पूर्व अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ रहे। महाविद्यालय के प्रबंधक देवेन्द्र मिश्र नगरहा पूर्व मंत्री जिला अधिवक्ता संघ ने आये हुए अतिथियों का स्वागत किया। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर डॉ0 वी0डी0 पाण्डेय, राजेश मिश्रा, रसाल सिंह यादव, हर्षित मिश्रा, पवन मिश्रा, राघवेन्द्र मिश्रा, अखिलेश मिश्रा, राघवेन्द्र सिंह, अमरनाथ तिवारी, के. के.शुक्ला आदि लोगों ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर स्वागत किया। प्रबंधक देवेंद्र मिश्रा नगरहा ने आये हुए सभी अतिथियों एवं क्षेत्रवासियों का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर किया।

टाउन एवं गाउन' के अन्तर्गत विश्वविद्यालय की सक्रियता 'श्रीकृष्ण' विषयक परिचर्चा (3 सितम्बर, 2017)

श्रीकृष्ण आज के युग में सबसे अधिक प्रासंगिक हैं। उनकी लीलाओं में जीवन का सार छिपा है। उक्त बातें इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने आनंद योग आश्रम, इलाहाबाद में आयोजित श्रीकृष्ण जन्मोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। विशिष्ट अतिथि अपर महाधिवक्ता कृष्ण पहल ने कहा कि धर्म वह तपोभूमि है, जहाँ मनुष्य को सही दिशा मिलती है। प्रो0 सालेहा रशीद ने कहा कि धर्म का स्वरूप व्यापक है, उसे समझकर ज्ञान अर्जित करने से व्यक्ति व राष्ट्र का कल्याण होता है। आश्रम के संस्थापक योगगुरू दिवाकर ने कहा कि कृष्ण दुनिया के पहले मनोवैज्ञानिक हैं, जिनके तेज से विश्व प्रकाशित है। संचालन सृष्टि कुशवाहा नें किया, और आभार चंद्रेश पांडेय, रोहित केसरवानी, मीनाक्षी आदि ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

शिक्षक दिवस (05 सितम्बर , 2017) समारोह का आयोजन

05 सितम्बर 2017 को लिटिल हार्ट्स इण्टर कालेज के प्रांगण में शिक्षक समारोह के आयोजन के अवसर पर प्रो0 डा0 राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिक्षकों को उपहार प्रदान कर सम्मानित किया तथा कार्यक्रम के अन्त में अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को निष्ठापूर्वक कर्तव्य निर्वहन करने की प्रेरणा दी एवं छात्र-छात्रओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना की।

'छात्रों के चरित्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका' विषय पर संगोष्ठी (05 सितम्बर , 2017) में सहभागिता

रोटरी इलाहाबाद साउथ के तत्त्वावधान में सिविल लाइन स्थित होटल इलावर्त में कुलपति, प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने तीन विशिष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया । उन्हें उनके उत्कृष्ट कार्य एवं सराहनीय सेवाओं के चलते शॉल, स्मृति चिन्ह् एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो0 प्रसाद ने कहा कि देश के भविष्य निर्माण एवं विकास में शिक्षकों की भूमिका बहुत अहम है। आरम्भ में कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। रोटेरियन अमिताभ सोनी, क्लब अध्यक्ष, ने मुख्य अतिथि एवं अन्य उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। रोटरी के पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन डॉ0 सुधांशु कुमार झा, चेयरमैन, शिक्षक सम्मान समारोह ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर बोलते हुये कहा कि छात्रों के चरित्र निर्माण एवं मानसिक विकास में शिक्षकों की भूमिका बहुत महत्त्वपूर्ण होती हैं। रोटेरियन हरिओम केसरवानी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सभा का संचालन क्लब सचिव रोटेरियन योगराज नागपाल ने किया।

बी0बी0एस0 इंजीनियरिंग कालेज, इलाहाबाद में नये व पुरा छात्रों का उद्‌बोधन : (23 सितम्बर, 2017)

बी0बी0एस0 इंजीनियरिंग कालेज में बी0टेक0 एवं एम0बी0ए0 के विद्यार्थियों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित फ्रेशर पार्टी में मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने अपने उद्‌बोधन में छात्रों को सम्बोधित करते हुये कहा कि छात्र सुशिक्षित-प्रशिक्षित हो कर समाज के लिये उत्तरदायी भूमिका का निर्वहन करें, जिससे हमारा देश अग्रणी देशों की सूची में शामिल हो सके। इस अवसर पर सीनियर छात्र-छात्राओं ने एकल व समूह गीत और नृत्य प्रस्तुत किया। समारोह में बीटेक एवं एमबीए के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में निदेशक डॉ0 सी0पी0 सिंह ने अतिथियों एवं छात्रों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। मुख्य अतिथि ने बी0टेक0 एवं एम0बी0ए0 के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में कृपाराम मिश्र, कुलदीप सिंह, आर्य कुमार, केबी सिंह सहित भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

माननीय इलाहाबाद हाईकोर्ट परिसर में न्यायमूर्ति टंडन के साथ पुस्तक विमोचन (19 सितम्बर, 2017) कार्यक्रम में सहभागिता:

माननीय इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अरुण टंडन ने अधिवक्ता अनूप बर्नवाल द्वारा लिखित पुस्तक 'भारतीय सिविल संहिता के सिद्धांत' का विमोचन करते हुए कहा कि "अधिवक्ता लिखने पढ़ने का काम न त्यागें, वकालत के लिये जरूरी है।

अधिवक्ता का अध्ययन पीछे छूट गया है। 'कट एंड पेस्ट' का जमाना है, यह उचित नहीं है''।

विमोचन समारोह के विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि भारतीय नागरिक संहिता और धर्म-आधारित विविध जटिलताओं को समझने में यह पुस्तक महत्त्वपूर्ण है। नागरिक संहिता विषय पर यह पुस्तक गम्भीर शोध पर आधारित है। समारोह की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता धर्मपाल सिंह ने कहा कि पुस्तक के माध्यम से सिविल संहिता के विषय को व्यापकता के साथ न केवल पारिवारिक कानून बल्कि व्यक्ति और राष्ट्रीयता के कानून की विवेचना की गई है। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार जगदीश जोशी, ज़मील अहमद आज़मी, देशरतन चौधरी ने भी अपने विचार रखे। संचालन वी0के0 तिवारी ने किया। इस मौके पर सतीश सिंह, ज्ञानेन्द्र श्रीवास्तव, दिनेश चंद्र मिश्र, तेन सिंह, आर0पी0 मिश्र, अशोक गुप्ता और अन्य अतिथिगण मौजूद थे।

''सद्भावना एवं स्वच्छता'' विषय पर परिचर्चा (04 अक्टूबर, 2017)

विज्ञान सभागार में ''सद्भावना एवं स्वच्छता'' विषय पर परिचर्चा हुई। इसमें मुख्य वक्ता/मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि स्वच्छता को आमजन की कर्तव्यपरायणता से जोड़ने की नितान्त आवश्यकता है। इसे हर व्यक्ति को अपनी आदत में शामिल करना चाहिये। विशिष्ट अतिथि अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य डॉ0 बी0के0सिंह ने मानसिक स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर विस्तार से चर्चा की । कार्यक्रम को डॉ0 एलएस ओझा, डॉ0 संजय द्विवेदी, श्याम प्रकाश पांडेय, पुष्कर मिश्र, विजय मिश्र आदि ने भी संबोधित किया।

'जम्मू-कश्मीर : वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक संवाद एवं भविष्य की सम्भावनायें' विषयक संगोष्ठी में (07 अक्टूबर, 2017) सहभागिता

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में ''जम्मू-कश्मीर; वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक संवाद एवं भविष्य की संभावनाएं'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई । इस अवसर पर मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि जम्मू-कश्मीर देश का मुकुट है। यह कभी धरती का स्वर्ग था लेकिन आज यह उबलता हुआ कड़ाहा हो गया है।

जम्मू-कश्मीर पर राजनीति नहीं होनी चाहिये बल्कि समस्या का समाधाान होना चाहिये। भारतीय सेना ने

आतंकवाद को कुचलने के लिये सर्जिकल स्ट्राइक का सहारा लिया लेकिन इसके बाद भी आतंकवाद नहीं थम रहा है। कश्मीर समस्या का हल सकारात्मक एवं आशावादी प्रयास से बातचीत द्वारा ही निकल सकता है। जम्मू-कश्मीर अध्ययन केन्द्र के तत्त्वावधान में हुए सेमिनार की अध्यक्षता करते हुये मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एम0पी0दूबे ने कहा कि जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद को समाप्त करना है तो इसके समाधान की दिशा में आगे बढ़ना चाहिये और भारत इस दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। जब तक जम्मू-कश्मीर में जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) संगठन सक्रिय था तब तक यह समस्या राष्ट्रीय थी परन्तु जैसे-जैसे जैश-हरकत-हिजबुल आदि संगठन सक्रिय हुये आतंकवाद की समस्या अन्तर्राष्ट्रीय हो गई क्योंकि आईएसआई भी इसमें शामिल हो गयी। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो0 संजीव भदौरिया, राजनीतिक शास्त्र विभाग के प्रो0 राजपाल बुधानिया ने विचार व्यक्त किये। विषय प्रवर्तन समाज विज्ञान विद्याशाखा के प्रभारी प्रो0 सुधांशु त्रिपाठी ने किया। संचालन डॉ0 रामजी मिश्र एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो0 जीएस शुक्ल ने किया।

आतंकवाद समाप्त करने के लिए आगे बढ़ रहा देश

संगोष्ठी को संबोधित करते इलाहाबाद राज्य विवि के वीसी प्रो राजेंद्र प्रसाद।

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शनिवार को जम्मू-कश्मीर: वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक संवाद एवं भविष्य की संभावनाएं विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि जम्मू-कश्मीर देश का मुकुट है। यह कभी धरती का स्वर्ग था लेकिन आज यह सुलगता हुआ कश्मीर हो गया है।

पंत संस्थान में संगोष्ठी आज

हेलीकाप्टर से होगी प्रयाग की परिक्रमा : डॉ. रीता

प्रदेश की सारी धार्मिक व ऐतिहासिक इमारतें होंगी संरक्षित, अर्धकुंभ मेला की मेजबानी करेगा उत्तर प्रदेश

अभिलेख के परिजनों से मिलीं पर्यटन मंत्री

'पर्यावरण असंतुलन मानव जीवन के लिए खतरा'

एएसयू ने बढ़ाई बैक पेपर आवेदन की तिथि

एएसयू में क्रीड़ा परिषद का किया गया गठन

एएसयू में आज से शुरू होंगी कक्षाएं

इलाहाबाद। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय (एएसयू) में एमए हिन्दी, राजनीति विज्ञान, प्राचीन इतिहास, अर्थशास्त्र, एमकॉम तथा एमएसडब्ल्यू की कक्षाएं सात सितंबर से प्रारंभ होंगी। रजिस्ट्रार डॉ. साहब लाल मौर्य ने बताया कि समय सारिणी विश्वविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दी गई है। 75 प्रतिशत उपस्थिति को अनिवार्य किया गया है। इससे कम उपस्थिति पर विद्यार्थियों को परीक्षा में शामिल होने से रोका जा सकता है।

राज्य विश्वविद्यालय के कालेजों में लागू हुई सेमेस्टर प्रणाली

पढ़ना-लिखना न छोड़ें अधिवक्ता: जस्टिस टंडन

राज्य विवि की छूटी हुई प्रायोगिक परीक्षा 15 को

इलाहाबाद। एएसयू की छूटी प्रायोगिक परीक्षा 15 सितंबर को होगी। डिप्टी रजिस्ट्रार राज बहादुर यादव ने बताया कि परीक्षा के लिए कुलभाष्कर आश्रम पीजी कॉलेज, प्रयाग महिला विद्यापीठ और हेमवती नंदन बहुगुणा महाविद्यालय को केंद्र बनाया गया है। जिन अभ्यर्थियों की प्रायोगिक परीक्षा छूटी हैं वे 300 रुपये का ड्राफ्ट वित्त अधिकारी इलाहाबाद राज्य विवि के नाम बनवाकर रिपोर्ट करें।

सामूहिक नकल: कॉलेजों को हाईकोर्ट का झटका

भरना होगा एक-एक लाख रुपये जुर्माना

इलाहाबाद। सामूहिक नकल के आरोपी कॉलेजों को कोर्ट से भी राहत नहीं मिली। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मामले में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के निर्णय को सही ठहराते हुए आरोपी कॉलेजों को हर हाल में चार सितंबर तक एक-एक लाख रुपये जुर्माना जमा करने का आदेश दिया है।

सामूहिक नकल के आरोप में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने कई केंद्रों की परीक्षाएं निरस्त कर दी थीं और पुनर्परीक्षा पर आने वाले खर्च की वसूली के लिए राज्य विवि ने आरोपित कॉलेजों पर एक-एक लाख रुपये जुर्माना लगा दिया था। कई कॉलेजों ने जुर्माना जमा कर दिया जबकि कुछ ने जुर्माना नहीं जमा किया। इनमें तीन महाविद्यालयों मां सरस्वती सीता डिग्री कॉलेज मतरौहा सोरांव, द्वारिका प्रसाद महाविद्यालय मदारी सिसवान और भगवानदीन यादव महाविद्यालय हुसैनपुर ने विश्वविद्यालय के खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिकाएं दाखिल कर दीं। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. साहब लाल मौर्य, के अनुसार उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को आदेश पारित करते हुए विवि की ओर से लिए गए निर्णयों को सही ठहराया है और आरोपित महाविद्यालयों को प्रत्येक दशा में चार सितंबर तक एक-एक लाख रुपये जुर्माना जमा करने का आदेश दिया है। रजिस्ट्रार ने बताया कि सामूहिक नकल में जिन केंद्रों की परीक्षाएं निरस्त की गई थीं, उनमें से ज्यादातर केंद्रों की पुनर्परीक्षाएं बृहस्पतिवार को करा दी गई और बाकी परीक्षाएं एक सितंबर को आयोजित की जाएंगी। सामूहिक नकल के आरोपी द्वारिका प्रसाद महाविद्यालय मदारी सिसवान और मां सरस्वती सीता डिग्री कॉलेज की निरस्त परीक्षाएं एक को गंगा डिग्री कॉलेज, सोरांव में कराई जाएंगी। ब्यूरो

एएसयू में क्रीड़ा परिसर गठित, ट्रायल की तिथियां घोषित

13 अक्तूबर 2017 से सात जनवरी 2018 तक होंगे विभिन्न खेलों के ट्रायल

महाविद्यालयों में होगा आकस्मिक निरीक्षण

श्रीकृष्ण की लीलाओं में है जीवन का सार : प्रो. राजेंद्र

अमर उजाला

विवि टीम गठन को चयन ट्रायल 29 अक्तूबर से

बहुत कुछ कहता है राज्य विश्वविद्यालय का लोगो

इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विवि का लोगो अपने आप में अप्रतिम आभा समेटे हुए है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में दृश्य कला विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अभिनव गुप्त ने लोगो को तैयार किया है, जिसे राज्य विवि की कार्य परिषद ने स्वीकृत किया है। प्रख्यात कवि व चित्रकार डॉ. जगदीश गुप्त के पुत्र अभिनव गुप्त ने लोगो में जहां एक ओर संगम को स्थान दिया है वहीं दूसरी ओर ज्ञान की लगभग सभी शाखाओं का प्रतिनिधित्व भी देखने को मिलता है। नीला रंग कला, नारंगी विज्ञान, श्वेत शिक्षा व विज्ञान, काला विधि, हरा रंग कृषि लाल रंग चिकित्सा व आसमानी रंग इंजीनियरिंग का द्योतक है। रंगों के माध्यम से विभिन्न शाखाओं का प्रतिनिधित्व अपने आप में अनोखा प्रयोग है।

एक सप्ताह में जमा करें परीक्षा शुल्क : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने बुधवार को आदेश जारी कर कहा है कि वार्षिक परीक्षाओं से संबंधित एससी व एसटी के अभ्यर्थियों का परीक्षा शुल्क अभी तक विश्वविद्यालय को नहीं मिला है। इस कारण से विश्वविद्यालय को आर्थिक क्षति हो रही है। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार ने ऐसे महाविद्यालयों को पत्र जारी कर एक सप्ताह के भीतर परीक्षा शुल्क विश्वविद्यालय के कोष में कॉलेज लॉगिन प्रक्रिया के तहत जमा करने को कहा है।

इलाहाबाद, 5 अक्तूबर 2017 दैनिक जागरण

सद्भावना एवं स्वच्छता विषय पर हुई परिचर्चा

एएसयू का कोर्स वेबसाइट पर भी

अमर उजाला

अमर उजाला

राज्य विश्वविद्यालय में अगले सत्र से 200 दिन कक्षाएं

नई व्यवस्था

शिक्षकों की चिंता करेगा 'कल्याण कोष'

Allahabad State University

MISSION STATEMENT

The prime mission of Allahabad State University is set to provide integrated approaches of local, regional, national and global opportunities for Higher Learning, research and engagement to the diverse sets of student population. The University intends to offers a full range of degree programmes at the Bachelor, Master, doctoral, post-doctoral and professional levels, coupled with the entire domain and scope of research and other creative activities.

GOALS

Allahabad State University is inclined to provide quality higher education to the younger generation, and intends to emerge as a " world class" multi-disciplinary global institution encompassing various branches and frontiers of higher learning and research in the entire domain, range and scope of "knowledge power". The University will envolve a student profile comparable with national and global (public and private) institutions of Higher Education by creating an environment in which students success in diverse areas can be seen to the optimum level. It will also fulfill the skill development and professional needs of creating a strong regional and state workforce, while emerging as a primary engine of social, economic and intellectual development in India in the Age of Globalization.

The University is also set to embark upon the path of realising its endeavors and accomplishments, coupled with the ability of the students and faculty to build a resource base of highest order.

As its primary goal, the Allahabad State University is dedicated to becoming a nationally and globally recognized institution in the 21st century along with the shared universal values of humanity at large. Accordingly, it is engaged to utilise its material, human and other resources for :

- Imparting higher education to fulfill the diverse needs of student community, including foreign students.
- Promoting excellence within the entire domain, range and scope of higher education and professional studies.
- Meeting cultural and other challenges to our nation-building and eventually augmenting the quality of life in the urban and rural areas through teaching, learning, advanced research and multi-dimensional activities.